

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	भाद्र 29, शुक्रवार, शाके 1946-सितम्बर 20, 2024 <i>Bhadra 29, Friday, Saka 1946- September 20, 2024</i>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग (क)

विज्ञप्ति

जयपुर, अगस्त 20, 2024

संख्या प. 2(47) वन/2023 :- चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन -भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा उसके किसी अंश की स्वत्वधारी (Entitled) है ;

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन भूमि तथा बंजर भूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 की धारा 29, उप धारा (1)के अन्तर्गत रक्षित वन(Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है ;

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्व नहीं किये गये हैं ;

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उन पर सरकार या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के सम्बन्ध में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्व किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुँचाने की आशंका है ;

इसलिये अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 (1953का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेन्ट ऑफिसर /असिस्टेन्ट फोरेस्टर सेटलमेन्ट आफिसर को पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्व करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साक्ष्य उसी प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1) 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण मे राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन भूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आवेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण मे यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं राजपत्र में इस

विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरो को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि और बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (आरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,

अशोक कुमार योगी,

शासन उप सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची

क्र. सं.	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण
1	2	3	4	5	6
1	बिल्वा खुर्द	बस्सी	जयपुर	उत्तर- ग्राम बिल्वा खुर्द के खसरा नंबर 41/2, 41/87 एवं सीमा ग्राम फिल्सन बिहारीपुरा पूर्व- सीमा ग्राम फिल्सन बिहारीपुरा दक्षिण- ग्राम बिल्वा खुर्द के खसरा नंबर 45, 59, 47/1 47/2, 47/3, 47/4,47/5 एवं 46 पश्चिम - ग्राम बिल्वा खुर्द के खसरा नंबर 42	ग्राम बिल्वा खुर्द हाल ख.नं . 42/1 क्षे0 (है0) 9.4079
योग					9.4079 है0

(पृथ्वीराज मीणा)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
बस्सी

(वी. केतन कुमार)
उप वन संरक्षक
जयपुर

द्वितीय अनुसूची

क्र.सं	बोटैनिकल नाम	हिन्दी नाम
1	Acacia tortilis	अकेशिया टोर्टलिस
2	Acacia nilotica	बबूल
3	Azadirachta indica	नीम
4	Zizyphus nummularia	झाड़ी बेर
5	Acacia leucophloea	रोंझ

(पृथ्वीराज मीणा)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
बस्सी

(वी. केतन कुमार)
उप वन संरक्षक
जयपुर

प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक,द्वारा प्रमाण-पत्र

वन खण्ड	-	बिल्वा खुर्द (9.4079 है०)
रेंज	-	बस्सी
वनमण्डल	-	जयपुर

1. संलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि एफ.सी.ए.प्रकरण Eco-Tourism in Badanpura near Laxmangarh Dungari (प्रकरण संख्या- FP/RJ/OTHERS/1961/2006) में विभाग को प्राप्त हुयी है। जिसका वर्गीकरण गै.मु.पहाड़ है वन भूमि जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 6 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा पूरे क्षेत्र में विकास कार्य कराया गया है।/कराना है। इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है।
3. वर्तमान में कुछ क्षेत्रों में प्लांटेशन किया गया है। अधिकांश क्षेत्र पर पूर्व में अवैध तथा वैध खनन कार्य हुये हैं। भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
4. भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्रों में है तथा कुछ क्षेत्रों में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों में रोंझ, देशी बबूल, टोर्टलीस इत्यादि कांटेदार वृक्ष हैं तथा कुछ क्षेत्रों में घनत्व नगण्य है।
5. समीपवर्ती स्थित क्षेत्र बंजर/राजस्व भूमि (राजस्व बंजर/चरागाह/खातेदारी/वन) खातेदारी भूमि है तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 5 में कर दिया गया है।
6. वनखण्डों के वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न हैं एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं, सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप हैं। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शों में लाल स्याही इंगित किया गया है।
7. प्रस्तावित क्षेत्रों की विज्ञप्ति के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है, जिससे कि इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
8. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

(पृथ्वीराज मीणा)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
बस्सी

(वी. केतन कुमार)
उप वन संरक्षक
जयपुर